SANGAI INTERNATIONAL UNIVERSITY

Syllabus B.A.(HONOURS) HINDI

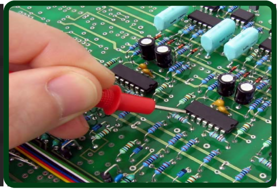

Syllabus B.A.(HONOURS) HINDI

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A.(HONOURS) HINDI

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

  सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य

  रासो काव्य, लौकिक साहित्य

- भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

  संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

- रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

  हिंदी नवजागरण

  भारतेन्दु युग

  द्विवेदी युग

  छायावाद

  प्रयोगवाद

  प्रगतिवाद

  नई कविता

  समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास :

  स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

- विद्यापति
- कबीर
- जायसी
- सूरदास
- तुलसीदास
- रहीम
- मीराबाई
- बिहारी
- घनानंद
- रसखान

(इन कवियों की कविताओं में से विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता/अपेक्षा के अनुरूप चयन कर सकते हैं)

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- भारतेंदु
- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- मैथिलीशरण गुप्त
- रामनरेश त्रिपाठी
- जयशंकर प्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदन पंत
- महादेवी वर्मा

(इन कवियों की कविताओं में से विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता/अपेक्षा के अनुरूप चयन कर सकते हैं)

5. छायावादोत्तर हिंदी कविता

- केदारनाथ अग्रवाल
- नागार्जुन
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
- माखनलाल चतुर्वेदी
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- भवानीप्रसाद मिश्र
- रघुवीर सहाय
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- गिरिजाकुमार माथुर

(इन कवियों की कविताओं में से विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता/अपेक्षा के अनुरूप चयन कर सकते हैं)

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचडर्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

9. हिंदी उपन्यास

- गबन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- मानस का हंस – अमृतलाल नागर
- महाभोज – मन्नू भंडारी

10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत : सुदर्शन
- पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ ’रेणु’
- मिस पाल : मोहन राकेश
- परिन्दे : निर्मल वर्मा
- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती
- पिता : ज्ञानरंजन

11. हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन ‘: मोहन राकेश
- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

- औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द बल्लभ पंत
- और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

- सरदार पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
- डॉ. नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ :बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वेदश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र–लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।